हस्त रेखा शास्त्र एवं ज्योतिष शास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन

ज्योतिष शास्त्र में सौर मंडल में स्थित ग्रहों व नक्षत्रो के मनुष्य पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया जाता है। किसी व्यक्ति के जन्म के समय नक्षत्र मंडल में ग्रहों की स्थिति के आधार पर उस व्यक्ति की जन्म पत्रिका बनाई जाती है। वर्तमान समय में नक्षत्र मंडल में विभिन्न ग्रहों का विभिन्न राशियों पर स्थिति सुनिश्चित की जाती है। इस स्थिति का मनुष्य के जीवन, व्यक्तित्व एवं स्वभाव पर होने वाले प्रभाव का अध्ययन किया जाता है।

INSTITUTE OF VEDIC ASTOLOGY, Indore. ☎. 0731-4076612, 4076613. www.ivaindia.com

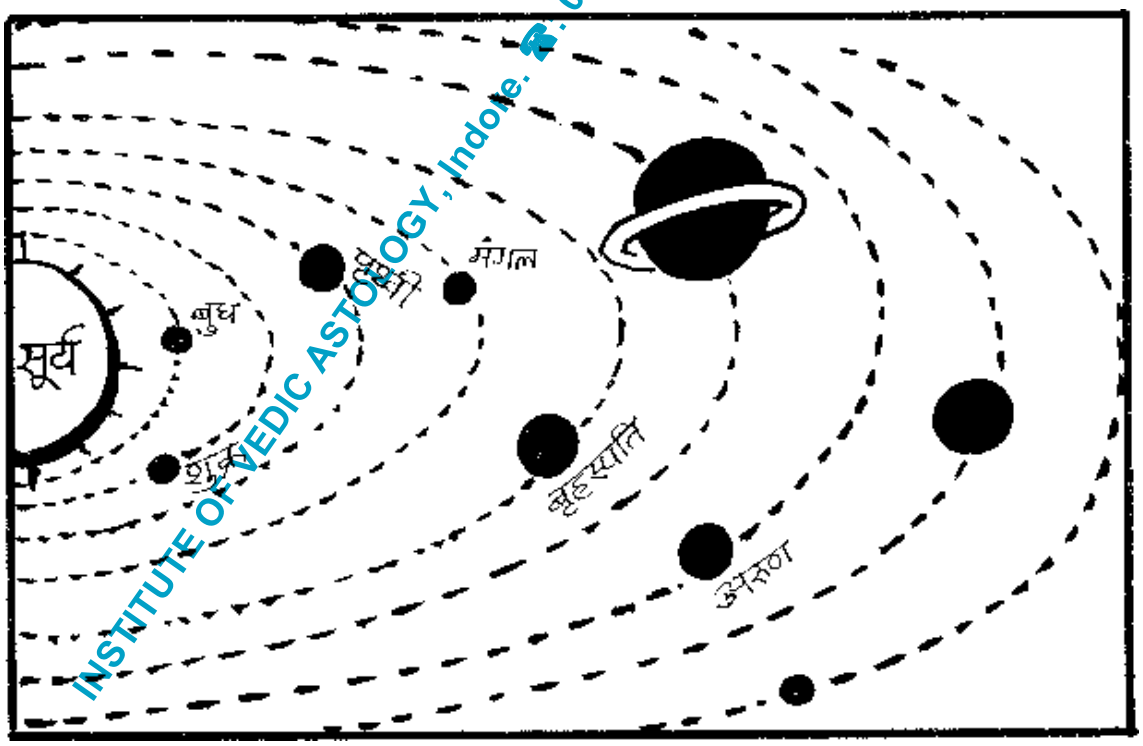

ज्योतिष शास्त्र की परिभाषा सरल शब्दो में है

ज्योतिष सूर्यादि ग्रहाणां बोधक शास्त्रम्

अर्थात सूर्य व अन्य नवग्रहों के विषय में विवरण देने वाले शास्त्र को

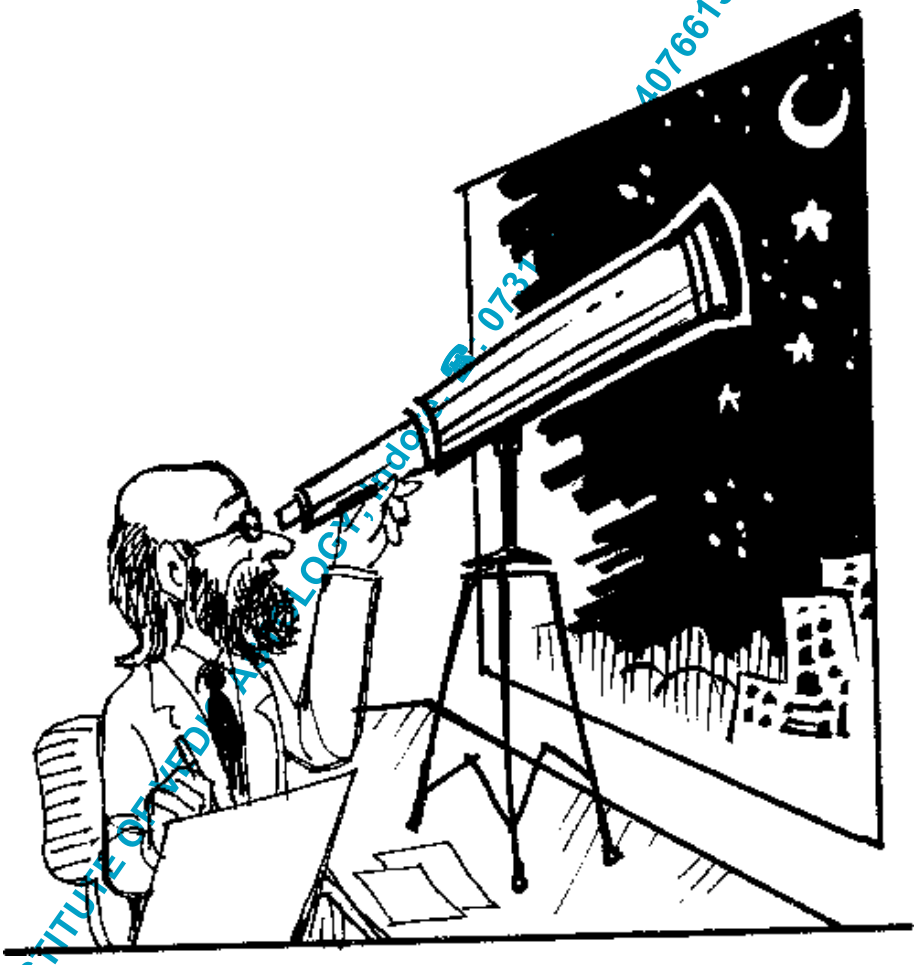

INSTITUTE OF VEDIC ASTROLOGY, Indore. 0731-4076613. www.ivaindia.com

ज्योतिष शास्त्र कहते है । मानव जीवन पर इन ग्रहो के प्रभाव का सूक्ष्म अध्ययन ही ज्योतिष शास्त्र का आधार है ।

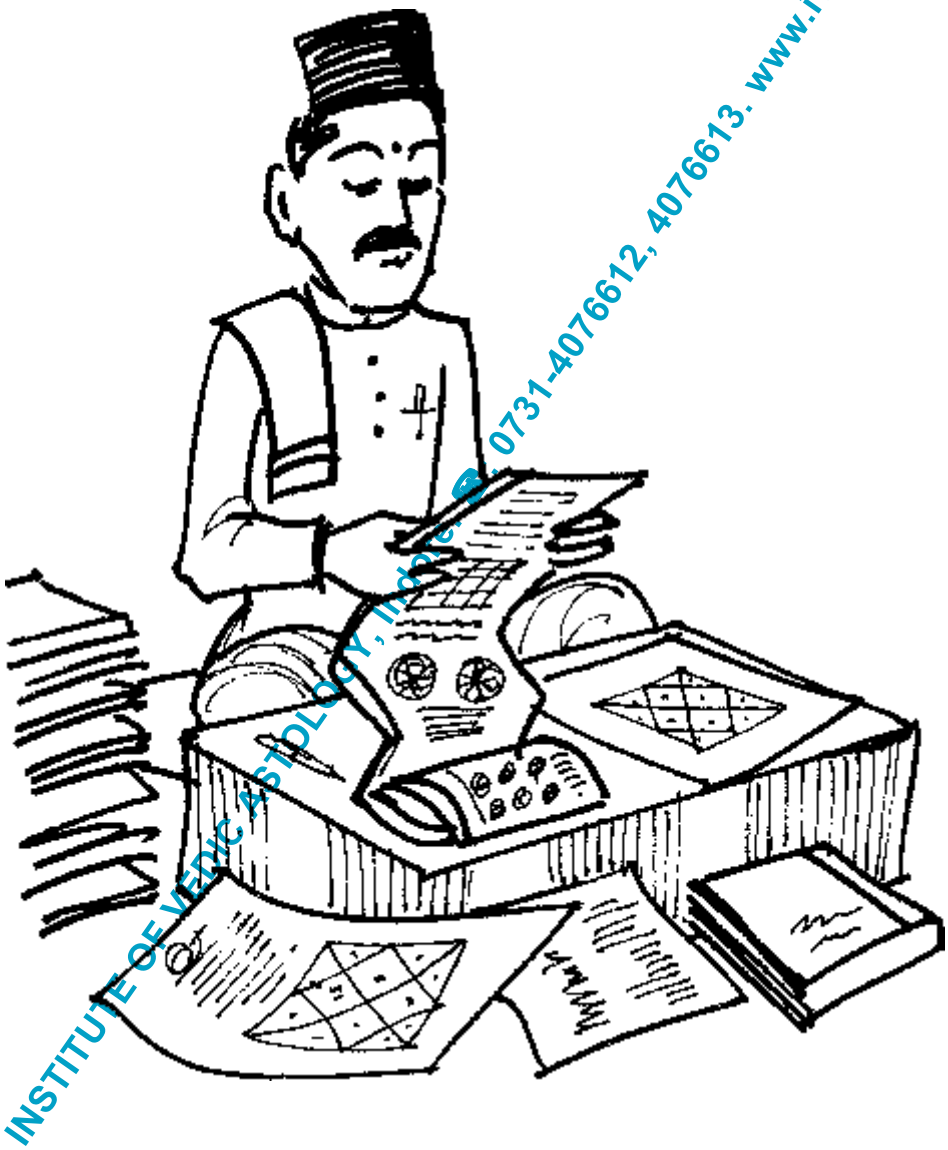

INSTITUTE OF VEDIC ASTROLOGY, Indore. 0731-4076612, 4076613. www.ivaindia.com

किसी व्यक्ति के जन्म के समय स्थित ग्रहों का सूक्ष्म गणितीय अध्ययन किया जाता है । पंचांग इत्यादि की सहायता से उस व्यक्ति की जन्म पत्रिका बनायी जाती है । इन सब में कई प्रकार की गणनाओं की आवश्यकता होती है । इस जन्म पत्रिका के आधार पर उस व्यक्ति के भूत, भविष्य एवं वर्तमान के विषय में फलकथन किया जाता है ।

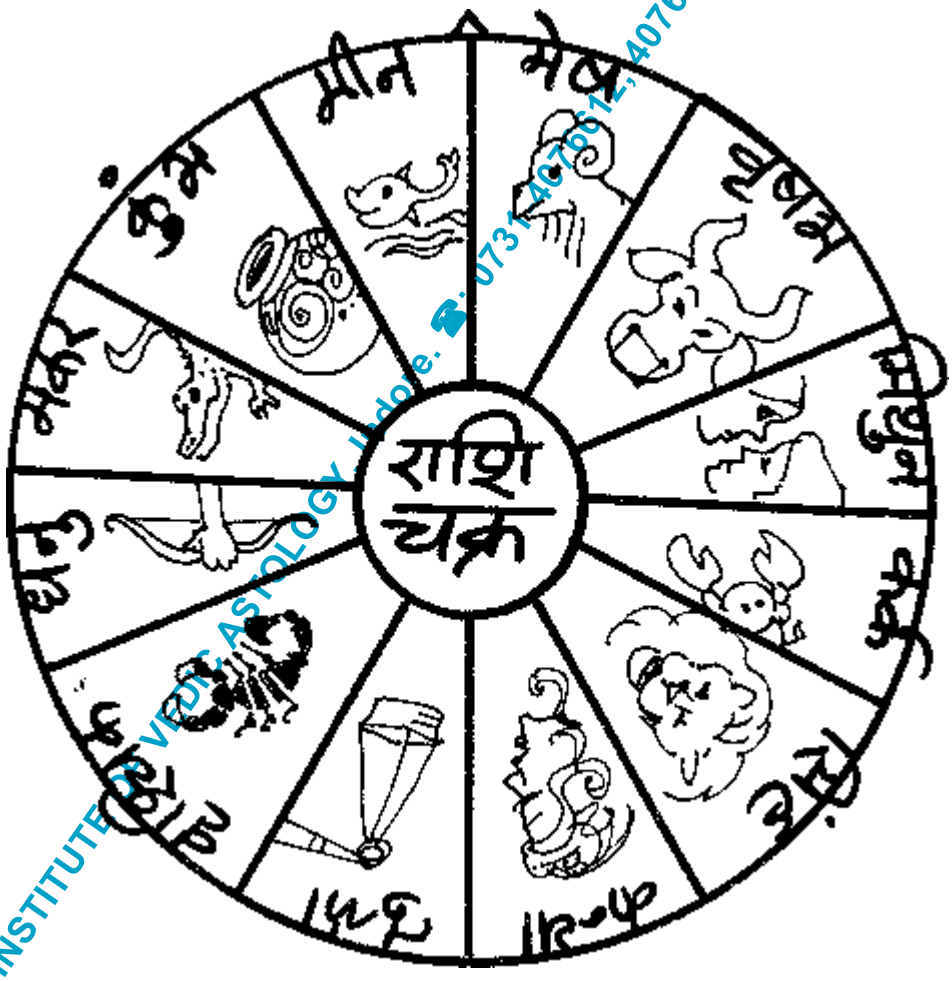

INSTITUTE OF VEDIC ASTROLOGY, Indore. ☎: 0731-4076912, 4076613. www.iviaindia.com

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार संसार के सारे मनुष्यो को 12 राशियों में विभाजित करते है तथा प्रत्येक राशि पर ग्रहों की स्थिति के अनुरुप फल कथन किया जाता है।

इसी प्रकार प्रत्येक मनुष्य के जीवन में विभीन्न ग्रहों की दशा एवं महादशाएं भी आती है। जिससे उस मुनष्य के जीवन की महत्वपूर्ण घटनाऐं संबद्ध होती है। इन दशाओं का भी अध्ययन ज्योतिष शास्त्र में किया जाता है।

INSTITUTE OF VEDIC ASTOLOGY, Indore. ☎: 0731-4076612, 4076613 www.ivaindia.com

हस्त रेखा शास्त्र

मनुष्य के हाथो की संरचना, आकार एवं उनमें स्थित रेखाओं के आधार पर किसी मनुष्य के स्वभाव, व्यक्तित्व एवं भाग्य फल के अध्ययन व फल कथन को हस्त रेखा शास्त्र कहा जाता है ।

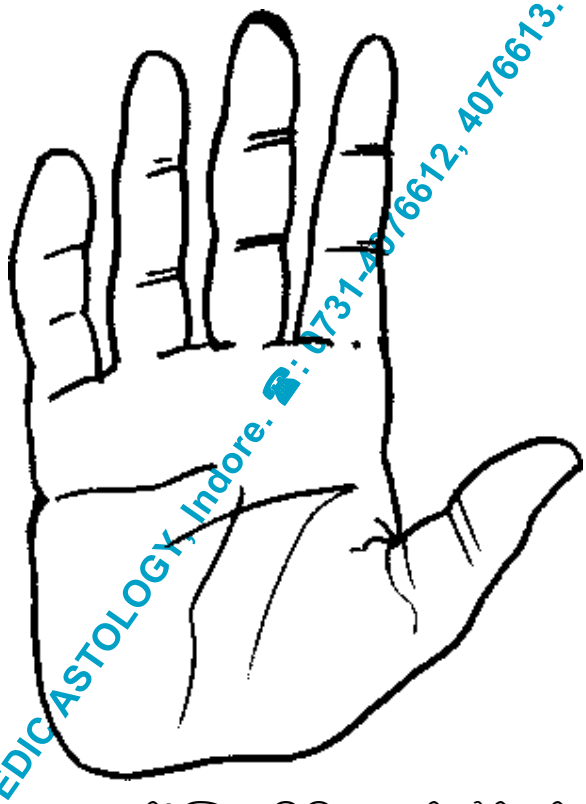

INSTITUTE OF VEDIC ASTOLOGY, Indore. ☎: 0731-4076612, 4076613. www.ivaindia.com

हस्त रेखा शास्त्र हाथ में स्थित विभिन्न भागो जैसे हथेली, उंगलिया, अंगुठा, कर पृष्ठ इत्यादि का गहराई में अध्ययन कर मनुष्य के भाग्य, प्रकृति व अन्य घटनाओं के बारे में फल कथन किया जाता हैं । हस्त रेखा शास्त्र न सिर्फ हाथ से संबंधीत है वरन यह शास्त्र मुख, नाक, भौहे, ललाट, पैर, पैर का अंगुठा, इत्यादि की भी विवेचना व अध्ययन पर आधारित है ।

हस्त रेखा शास्त्र एवं ज्योतिष शास्त्र में तुलना

ज्योतिष शास्त्र का आधार होता है किसी भी मनुष्य के जन्म के समय नक्षत्र व ग्रहों की उस समय की आकाशीय स्थिति। इसे ही आधार बनाकर उस मनुष्य के स्वभाव एवं भाग्य का फल कथन किया जाता है।

INSTITUTE OF VEDIC ASTROLOGY, Indore. Ph: 0731-4076612, 4076613. www.ivaindia.com

हस्त रेखा शास्त्र का मूल आधार होता है मनुष्य के मस्तिष्क एवं उसके हाथो

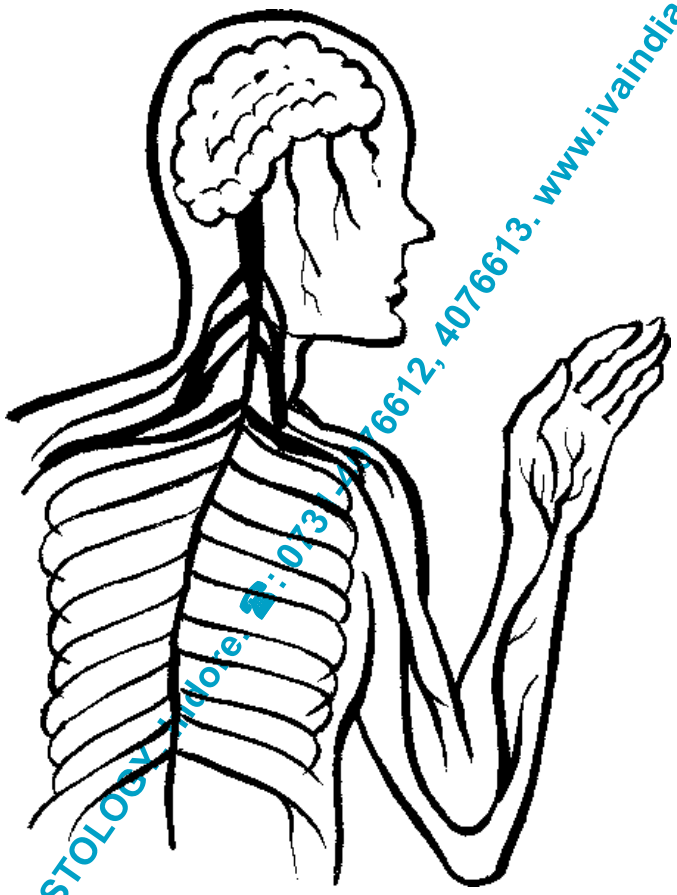

INSTITUTE OF VEDIC ASTOLOGY, Indore. ☎: 0731-4076612, 4076613. www.ivaindia.com

का संबंध । यह माना जाता है कि मनुष्य के मस्तिष्क का दर्पण उसका हाथ होता है जिसका सूक्ष्मता पूर्वक अध्ययन करने पर मस्तिष्क के रहस्यों को समझा जा सकता है ।

ज्योतिष शास्त्र में अध्ययन के लिए जन्म पत्रिका की आवश्यकता होती है । जिसे पंचाग की सहायता से कई गणनाओं के बाद बनाया जाता है । आजकल

यह कार्य कम्प्यूटरों की सहायता से भी होता है परंतु किसी मनुष्य की जन्म पत्रिका बनाने के लिए इन साधनों की आवश्यकता होती है। साथ ही साथ इनका सही उपयोग करने की विधी का ज्ञान भी आवश्यक है। इन सब के अभाव में न तो किसी मनुष्य की जन्म पत्रिका बन पायेगी न ही उसके भाग्य का फल कथन हो पायेगा।

हस्त रेखा शास्त्र के लिए मात्र किसी मनुष्य के हाथों की आवश्यकता होती है। हाथों के आकार, संरचना एवं हस्त रेखाओं का अध्ययन कर के किसी मनुष्य के भाग्य एवं स्वभाव का विचार किया जा सकता है।

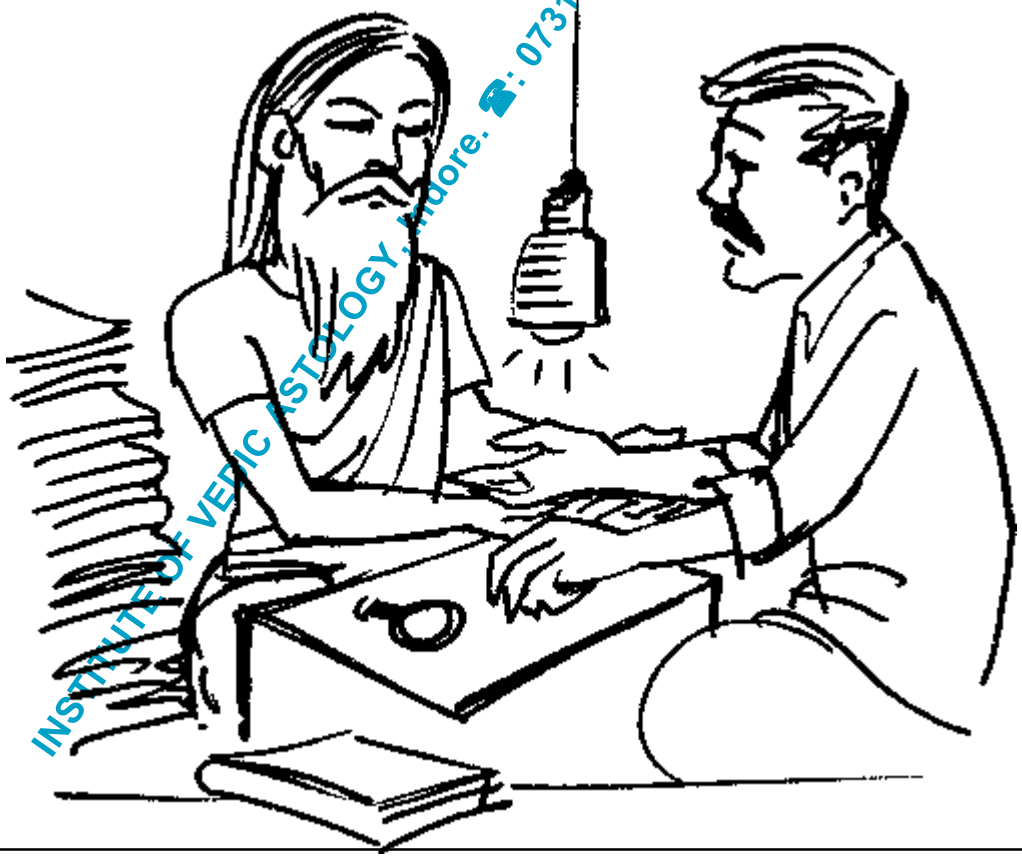

INSTITUTE OF VEDIC ASTOLOGY, Indore. ☎: 0731-4076612, 4076613. www.vaindia.com

जन्म पत्रिका निर्माण जन्म समय के अभाव में नही किया जा सकता है। यदि किसी व्यक्ति का जन्म स्थान, जन्म दिनांक व समय ज्ञात न हो तो उसकी जन्म पत्रिका का निर्माण नहीं हो सकता है। परंतु ऐसे जातकों का भाग्य भी उनकी हस्त रेखाओं में पढ़ा जा सकता है। जिन व्यक्तियों के हाथ न हो केवल उनका भविष्य कथन संभव नहीं है। परंतु ऐसे जातक बहुत ही कम होंगे। यह भी देखा गया है कि बच्चे के जन्म का सही समय भी निश्चित रुप से ज्ञात नही होता फलस्वरुप गलत समय को लेकर बनी जन्म पत्रिका के आधार पर भाग्य का विश्लेषण भी गलत सिद्ध होता है। किंतु हस्त रेखा शास्त्र में मनुष्य के हाथों की रेखाएं एकदम सही होती है उनमें कोई गलती होने की संभावना शुन्य होती है अत: सही प्रयास से किया गया फलकथन पूर्णत: सही सिद्ध होता है।

मनुष्य के द्धारा किये गये कर्मो के आधार पर उसकी हस्त रेखाओं में परिवर्तन होता रहता है जिससे उसके भाग्य का सटीक विश्लेषण किया जा सकता है परंतु ज्योतिष शास्त्र में जन्म के समय ग्रहो की स्थिति को आधार माना जाता है जिसमें परिवर्तन संभव नही होता है। वही हस्त रेखा शास्त्र के आधार पर मनुष्य के मस्तिष्क की वर्तमान स्थिति का ज्ञान होता है। जो अधिक उर्पयुक्त होता है।

INSTITUTE OF VEDIC ASTROLOGY, Indore. Ph: 0731-4076612, 4076613. www.vaiindia.com